अमर उजाला

बरेली
मंगलवार, 4 फरवरी 2025
माघ शुक्ल-सप्तमी
विक्रम संवत-2081

हौसले की खुराक से कैंसर को दी मात

विश्व कैंसर दिवस आज

अमर उजाला ब्यूरो

बरेली। कैंसर की पुष्टि होते ही पीड़ित को मौत का डर सताने लगता है। इस डर से लड़ने के लिए हौसले की जरूरत होती है।

डॉ. पीयूष अग्रवाल

कई पीड़ितों ने जज्बे को हथियार बनाकर कैंसर को मात दी। अब वे दूसरे मरीजों को जागरूक कर रहे हैं। विश्व कैंसर दिवस पर इन कैंसर विजेताओं ने बेबाकी से अपने संघर्ष को साझा किया।

दूसरे मरीजों को जीवन के हर पल का आनंद लेने का सुझाव दिया। भोजीपुरा निजी मेडिकल कॉलेज के कैंसर विशेषज्ञ डॉ. पीयूष अग्रवाल के मुताबिक, कैंसर लाइलाज नहीं।

शुरुआती स्टेज में इसका पता चले तो 90 फीसदी मामलों में जीवन सुरक्षित रहता है। कैंसर विजेताओं के वीडियो से दूसरे मरीजों को जागरूक कर रहे हैं।

कैंसर को मात देने वालों के जरिये दूसरों को जागरूक कर रहे निजी मेडिकल कॉलेज

केस-1

बरेली निवासी राजेश कुमार वर्ष 2014 में ब्लड कैंसर के एक प्रकार हॉजकिन लिंफोमा से ग्रसित हुए थे। तत्काल निजी मेडिकल कॉलेज से संपर्क किया। वर्ष 2019 तक रेडियो और कीमोथेरेपी हुई। अब वह स्वस्थ हैं। उन्होंने कहा कि समय से इलाज शुरू हो तो कैंसर से निजात मुमकिन है।

केस-2

बड़ेड़ी निवासी विजय कुमार गुप्ता की आवाज बैठ गई थी। एक्सरे कार्ड में कैंसर था। बिना देरी किए उन्होंने इलाज शुरू कराया। अब वे स्वस्थ हैं। लोगों से अपील की है कि कैंसर से बचाव के लिए संदिग्ध लक्षण प्रतीत होते ही जांच, इलाज शुरू कराएं। जीवन सुरक्षित रहेगा।

हर छठवीं मौत की वजह कैंसर : वरिष्ठ कैंसर विशेषज्ञ डॉ. आरके पितलोनिया के मुताबिक दुनिया भर में प्रतिदिन हो रही हर छठवीं मौत की वजह कैंसर है। पुरुषों में मुंह, फेफड़ा, प्रोस्टेट, पेट, कोलोरेक्टल, लिवर कैंसर के केस ज्यादा हैं।

इससे बचाव के लिए नियमित जांच जरूरी है। कैंसर की चपेट में आने वाले व्यक्ति को शारीरिक, भावनात्मक और आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ता है।

खानपान संयमित होना बेहद जरूरी

बरेली शहर की ओम शीला गौड़ को वर्ष 2014 में कैंसर की पुष्टि हुई थी। इन्होंने भोजीपुरा स्थित निजी मेडिकल से इलाज कराया। उन्होंने कहा कि कैंसर से डरने की कोई जरूरत नहीं है। इलाज जितनी जल्दी शुरू होगा, उसी अनुरूप परिणाम भी होगा। खानपान भी संयमित होना चाहिए।

सही समय पर पहचान जरूरी

फिता निवासी शाहिदा हुसैन को वर्ष 2011 में ब्रेन ट्यूमर कैंसर हुआ था। इसकी पुष्टि पर एकबारगी पूरा परिवार घबरा गया, पर निराश होने के बजाय उन्होंने इलाज शुरू कराया। वर्ष 2012 में सर्जरी कराई। रेडियो हुई। अब स्वस्थ हैं। कहा कि अगर सही समय पर इलाज मिले तो जिंदगी बचेगी।